International Journal of Information Movement *Vol. 9 Issue II* *(June 2024)*
Website: www.ijim.in *ISSN: 2456-0553 (online)* **Pages 41-44**

ग्रामीण समुदाय में सामुदायिक रेडियो स्टेशन की भूमिका

डॉ रीना रानी
Email-id: reenamalik7002@gmail.com

सारांशः आज तकनीक का दौर है जिसने संचार को आसान बनाया है। प्रमुख संचार माध्यम रेडियो की बात करें तो इसकी पहुंच 95 प्रतिशत लोगों तक है। बाकि मुख्य धारा से दुर लोगों के लिए सामुदायिक यानि कम्युनिटी रेडियो फरिस्ता बनकर आया है। आज देश में 339 सामुदायिक रेडियो काम कर रहे हैं (स्टेस्टिका रिपोर्ट ,2024) । सामुदायिक रेडियो एक ऐसा स्थानीय संपर्क का साधन है जिस पर लोगों को अन्य संचार माध्यमों की अपेक्षा सबसे अधिक भरोसा है। प्रश्न उठता है कि समुदायों के बीच संवाद की संस्कृति को कैसे पुनस्थापित किया जाये। इस दिशा में सामुदायिक रेडियो ने काम किया है। लाइब्रेरी आधारित शोध रणनीति का उपयोग करते हुए साहित्य समीक्षा विधि से आंकडे एकत्रित किए गए है। इस अध्ययन के अनुसार ग्रामीण समुदाय और सामुदायिक रेडियो के बीच महत्वपूर्ण संबंध है। सामुदायिक रेडियो का ग्रामीण क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सामुदायिक रेडियो संवाद को बढ़ा रहा है साथ ही रेडियो कार्यक्रम ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर उनके ज्ञान को बढ़ा रहा है, गांव को विकास की ओर ले जा रहा है। सामाजिक रूढियों जाति प्रथा, बाल विवाह, दहेज प्रथा जैसे विषयों पर ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का निर्माण कर लोगों में जागरूकता उत्पन्न की जा रही है।

संकेत शब्द :सामुदायिक रेडियो ,ग्रामीण क्षेत्र, और सामुदायिक विकास

1.0 प्रस्तावना

सामुदायिक रेडियो की शुरूआत 1947 में बोलीविया में माइनर्स रेडियो और किसानों के लिए रेडियो सुतातेंजा से हुई थी । अधिकांश देशों ने विकास प्रक्रिया में सामुदायिक रेडियो स्टेशन के महत्व को समझा और इसके प्रसारण को पूरा समर्थन दिया। भारत सरकार ने 2002 में जारी और 2006 में संशोधित नीति में शैक्षणिक संस्थानों , कृषि विज्ञान केंद्रों , गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय लोगों को सामुदायिक रेडियो स्टेशन को संचालित करने की अनुमति दी (मुकेश कुमार शर्मा, 2023) । सन् 1995 में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पी. वी.सावंत द्वारा दिए गए अहत फैसले में रेडियो तरंगों को सार्वजनिक सम्पति बताया गया। इस फैसले के बाद प्राइवेट और सामुदायिक रेडियो की आधारशिला रखी गई। 1 फरवरी 2004 को अन्ना रेडियो लाइसेंस प्राप्त करने वाला पहला कैम्पस रेडियो बना (सिंह 2010) । समुदायों के बीच संचार के तीन प्रमुख तत्वों सूचना ,शिक्षा और मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक रेडियो प्रसारण का आरंभ हुआ। यह संचार का एक तत्व ना होकर उस समुदाय की आवाज है जो हमेशा से उपेक्षित रही है। सामुदायिक रेडियो से लोगों का निकट का संबंध है। सामुदायिक रेडियो समुदाय का समुदाय के लिए समुदाय द्वारा के सिद्धांत पर काम करता है। यह स्थानीय रेडियो का स्वरूप है जो एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र के समुदायों के हित में ऐसे कार्यक्रमों का प्रसारण करता है जो उनकी पसंद और रूचियों को महत्व देता हो (यूनेस्को, 1992)। सामुदायिक रेडियो कई प्रकार के हैं लेकिन प्रत्येक का उद्देश्य एक ही है समुदाय का विकास करना। सामुदायिक रेडियो की पहुंच गांव में सपाट जमीन के कारण 20 से 25 किलोमीटर और शहरी क्षेत्र में उंची इमारतो के

कारण लगभग 3 किलोमीटर तक होती है। यह समाज में सहभागिता को बढ़ाता है। श्रोताओं की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन फोन इन, पत्रों की संख्या,एसएमएस प्रतिक्रिया और श्रोताओं से सीधा संवाद करके किया जा सकता है। (वेमराजु व अन्य ,2019) ।

2.0 उद्देश्य

1 ग्रामीण समुदाय में सामुदायिक रेडियो की भूमिका का मूल्यांकन करना।
2 ग्रामीण समुदाय और सामुदायिक रेडियो के बीच संबंध को स्पष्ट करना।

3.0 विधि

इस अध्ययन में द्वितिय स्त्रोतों से आंकडे इक्टठे किये गये हैं। यह एक साहित्य समीक्षा आधारित अध्ययन है जिसमें पुस्तकों ,लेखों के साथ-साथ प्रकाशित व अप्रकाशित रिपोर्टो और दस्तावेजों के माध्यम से आवश्यक आंकडे एकत्रित किए गये है।

4.0 परिणाम

नीलसन 2018 के सर्वेक्षण के अनुसार टीवी के बाद रेडियो लोगों के बीच लोकप्रियता प्राप्त करने वाला प्लेटफार्म है। लोगों की रेडियो तक आसानी से पहुंच व इसका लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के कारण सामुदायिक रेडियो ने सोशल मीडिया जैसे माध्यमों को भी पिछे छोड़ दिया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा व सूचना सभी क्षेत्रों में सामुदायिक रेडियो की भूमिका बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। सामुदायिक रेडियो को मीडिया शिक्षा में शामिल किये जाने की आवश्यकता है (सौरभ कुमार मिश्रा , 2021) ।

(बजांडे, 2007) सामुदायिक रेडियो एक सांझा मंच के रूप में काम करता है जहां लोगों को सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर दिया जाता है। यह संचार के पारंपरिक मुद्दो को सुदृढ़ करता है जिससे नीति निर्माण और लोकतंत्र में जमीनी स्तर पर भागीदारी संभव हो सके। ये रेडियो महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दो को प्राथमिकता देता है। सामुदायिक रेडियो का स्वरूप लोकतांत्रिक है इसके कार्यक्रम को सुनने व बोलने का अधिकार सभी के पास होता है । स्थानीय लोगों को जनहित के कार्यक्रम को बनाने की पूरी आजादी होती है। यह गांव में सशक्तिकरण की राह खोलता है। समाज में गुणात्मक परिवर्तन लाता है। कार्यक्रम लोगों की रूचि के अनुसार आम बोलचाल की भाषा में होते है और बोलने वाला समुदाय का ही सदस्य होता है (एस कुमार , 2016) । सामुदायिक रेडियो समुदाय की आवाज है जिससे उस विशेष समुदाय की संस्कृति की झलक नजर आती है । इसका उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता यह तो अपने समुदाय की बोली, रिति-रिवाज और परंपराओं को संरक्षित करता है। इसी कारण रेडियो प्रसारण क्षेत्र में सामुदायिक रेडियो ने अपनी- अलग पहचान बना ली है (आर श्रीधर व अन्य, 2019) । (महानंद तिमालसिना व अन्य ,2019) सामुदायिक रेडियो गावं को विकास के पथ पर लेकर जा रहा है। यह ग्रामीणों को एक मंच प्रदान करता है जिसमे वे अपनी प्रतिभा को व्यक्त कर सकते हैं साथ ही समुदाय की समस्याओं, सफलताओं, शिकायतों, व विचारों का आदान -प्रदान संभव होता है। यह समाज में स्थानीय भाषा ,संस्कृति, विकास, सहयोग व सद्भाव को बढावा देने में सहयोगी है।

(एन जानसन, 2020) ने ग्रामीण विकास में सामुदायिक रेडियो स्टेशन के कार्यक्रमों के प्रभाव का पता लगाने के लिए अध्ययन किया और पाया कि यह रेडियो ग्रामीणों के ज्ञान को बढ़ा रहा है। सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम फसलों की उत्पादकता और उपज बढ़ाने में किसानों के लिए वरदान हैं। किशोर छात्र, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों को सुनकर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना रहे हैं।

(यालाला एन ,2015) सामुदायिक रेडियो सार्वजनिक और निजी रेडियो प्रसारण के साथ-साथ तीसरी श्रेणी का प्रसारण है। इसने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को बदल दिया है। यह महिलाओं को जागरूक कर रहा है उन्हे सूचना और शिक्षा प्रदान कर रहा है उनके कौशल में सुधार कर रहा है। यह

महिलाओं के सामाजिक,राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में मदद कर रहा है व सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है। (सोनिया चोपड़ा, अमर उजाला , 2020) कोरोना महामारी के समय सामुदायिक रेडियो ने समुदाय को अफवाहों से सचेत रखा है। पूर्णबंदी के दौरान संक्रमण से बचाव संबंधी शिक्षाप्रद कार्यक्रमों के साथ ही लोकसंगीत एवं लोकगाथाओं का प्रसारण भी किया गया। गावं के विकास में सामुदायिक रेडियो की अहम भूमिका है। सामुदायिक रेडियो से उन्हें पंचायती राज, सरकारी योजनाओं व ग्रामीण विकास जैसे मुद्दो पर स्थानीय भाषा में जानकारी मिल रही है। (बी गिर्राड ,1992) के अध्ययन के अनुसार सामुदायिक रेडियो का उदय ही हाशिए पर खड़े आवाजहीन ग्रामीणों को आवाज देने के लिए हुआ है। इसका संचालय किसी एक व्यक्ति या संस्था के हित के लिए नही होता यह समुदाय के हित के लिए है।

5.0 निष्कर्ष

सामुदायिक रेडियो ने ग्रामीणों में संवाद को गहन किया है जो समुदाय के विकास की नीवं है। सामुदायिक रेडियो ने लोक गीतों को ताजा कर दिया है। कई ऐसे त्यौहार जो सिर्फ गावं में ही मनाए जाते हैं के उत्साह को सामुदायिक रेडियो ने बढ़ाया है। रेडियो ने स्थानीय संस्कृति व परंपराओं को बढ़ाने में योगदान दिया है। इसके साथ ही सामुदायिक रेडियो के कार्यक्रमों ने समाज को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्रामीण सोशल मीडिया की अपेक्षा सामुदायिक रेडियो की जानकारी पर अधिक भरोसा करते हैं। यह लोगों को समकालीन मुद्दो पर भी जानकारी प्रदान कर रहा है। यह उन कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करता है जो ग्रामीण और कृषि आधारित लोगों के लिए मददगार होंगे। यह लोगों के लिए शिक्षा के स्त्रोत के साथ -साथ प्ररेणा व प्रोत्साहन का माध्यम भी है। यह सामाजिक अन्याय व भेदभाव जैसे अपराध के खिलाफ आवाज उठाने में सहायक है। यह सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी साधन है। इसने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव किया है। यह ग्रामीणों को अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के बारे में जागरूक करता है व गांव के सतत विकास में योगदान देता है।

6.0 संदर्भ

i. Basuroy,T. (march 2024).Community radio stations in India 2011-2021. https://www.statista.com/statistics/627747/india-community-radio-stations/
ii. Sharma, K.M (2023). Evolution of Community Radio: A Theoretical Purview.journal of emerging technologies and innovative research. vol 10, isssue 3, ISSN 2349-5162.
iii. सिंह. डी. (2010). भारतीय इलैक्ट्रानिक मीडिया दिल्ली. प्रभात प्रकाशन, पृष्ठ 126
iv. (वेमराजु व अन्य ,2019). सामुदायिक रेडियो और समाज. खंड 2 http://egyankosh.ac.in//handle/123456789/53571
v. नीलसन (2018). **https://www.hindikunj.com/2019/12/samudayik-radio.html**
vi. कुमार ,स.,मिश्रा(2021). सामुदायिक रेडियो वन्या: 21 वीं सदी में मीडिया शिक्षा और शोध का नवीन आयाम. संचार माध्यम. आईएसएसएन 2321-2608, खंड 33 (1) पृष्ठ 92-97
vii. Banjade, A. (2007). Community radio in Nepal: A case study of community radio Madan Pokhara.
viii. कुमार, एस. (2016).कम्युनिटी रेडियो. नई दिल्ली आलेख प्रकाशन. पृष्ठ 38
ix. Sreedher, R & Murada,0,P.(2019). Community Radio in India. Aakar Books Publisher. ISBN 10: 9350026112
x. Timalsina, M., & Pradhan, P. M. (2019). Role of local/community radio on rural development. *Nepalese Journal of Development and Rural Studies*, *16*, 46-52.
xi. Johnson, N., & Rajadurai, K. (2020). Community Radio Programs In Rural

Development. International journal of scientific& technology research .vol 9, issue 01, ISSN 2277-8616

xii. Yalala, N. (2015). The role of community radio in empowering women in India. *J Mass Communicat Journalism*, *5*(245), 2.

xiii. चोपड़ा,एस(2020). कोरोना संकट:समुदाय को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हैं सामुदायिक रेडियो https://www.amarujala.com/columns/blog/community-radio-working-for-strong-and-self-reliant-community?pageId=1

xiv. Girard, B. (1992). A Passion for Radio. Montréal : Black Rose Books Ltd.